‘AI भारत @ MP’ कार्यशाला

चर्चा में क्यों?

हाल ही में मध्य प्रदेश के भोपाल में “**AI भारत @ एमपी**” शीर्षक से दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

मुख्य बिंदु

- **कार्यशाला के बारे में:**
  - इसका उद्देश्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आधार तकनीक **और डिजिटल नवाचारों** के माध्यम से शासन को अधिक **सक्षम, पारदर्शी** और **नागरिकोन्मुखी** बनाना था।
  - इस कार्यशाला का आयोजन **मध्य प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (MPSEDC)** और **राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रभाग (NeGD)** द्वारा **इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY)** के सहयोग से किया गया।
  - कार्यशाला में तकनीकी सत्रों के अंतर्गत **डाटा प्रोटेक्शन**, साइबर सुरक्षा, **डिजिटल स्वास्थ्य** (ई-संजीवनी), DIKSHA प्लेटफॉर्म और **डिजिटल शिक्षा** जैसे विषयों पर चर्चा की गई।
  - इस कार्यशाला ने मध्य प्रदेश को **डिजिटल प्रशासन** के एक मॉडल राज्य के रूप में प्रस्तुत किया गया।
- **डिजिटल बुनियादी ढाँचे में मध्य प्रदेश की उपलब्धियाँ:**
  - **मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है** जहाँ **SD-WAN सक्षम स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क (SWAN)** 2 Gbps की गति से संचालित हो रहा है।
  - राज्य के पास **1 पेटाबाइट क्षमता वाला स्वयं का डाटा सेंटर** उपलब्ध है, जो डिजिटल सेवाओं के सुरक्षित और त्वरित संचालन को सुनिश्चित करता है।
  - **‘संपदा 2.0’** तथा **एंड-टू-एंड सेवा ऑटोमेशन** जैसे डिजिटल नवाचारों के माध्यम से राज्य **डिजिटल गवर्नेंस** में अग्रणी बना है।
- **नीति निर्माण व नवाचार:**
  - प्रदेश सरकार ने **AVGC (Animation, Visual Effects, Gaming & Comics)**, ड्रोन टेक्नोलॉजी, **ग्लोबल कैप्टिव सेंटर (GCC)** और **सेमीकंडक्टर निर्माण** जैसे क्षेत्रों के लिये **नीतियाँ और दिशा-निर्देश** जारी किये हैं।
  - इन प्रयासों से राज्य में **उद्योग, निवेश और रोज़गार** के नए अवसर सृजित होने के संभावना है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)

- AI को **मशीनों** और प्रणालियों का **ज्ञान प्राप्त करने**, **इसे लागू करने** और **बुद्धिमत्तापूर्ण व्यवहार करने की क्षमता** के रूप में परिभाषित किया गया है।
- “कृत्रिम बुद्धिमत्ता” शब्द का सर्वप्रथम उपयोग अमेरिकी कंप्यूटर वैज्ञानिक और संज्ञानात्मक वैज्ञानिक जॉन मैककार्थी ने किया था। उन्हें AI का जनक माना जाता है।
  - इसमें मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग, बिग डेटा, न्यूरल नेटवर्क, कंप्यूटर विज़न, लार्ज लैंग्वेज मॉडल आदि तकनीकें शामिल हैं।
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता की आदर्श विशेषता ऐसे कार्य करने और उन्हें तर्कसंगत बनाने की क्षमता है जिनमें किसी विशिष्ट लक्ष्य को प्राप्त करने की सबसे अच्छी संभावना होती है।

ई-संजीवनी:

- **ई-संजीवनी देश के डॉक्टरों के मध्य टेलीमेडिसिन सेवा है,** जो डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से पारंपरिक प्रत्यक्षतः परामर्श का विकल्प प्रदान करती है।
- ई-संजीवनी आयुष्मान भारत डिजिटल स्वास्थ्य मिशन का महत्त्वपूर्ण अंग है और ई-संजीवनी एप्लिकेशन के **माध्यम से 45,000 से अधिक आभा संख्या जारी की गई हैं।**
- इसका उपयोग करने वाले दस अग्रणी राज्य हैं: **आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, बिहार, तेलंगाना और गुजरात।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/ai-india-mp-workshop